



ननदोई ने सलहज की चुत चोदकर गर्भवती किया

“साड़ी वाली भाभी की चुदाई कहानी एक ऐसी सलहज की है जो संतान सुख के लिए अपने ननदोई से चुद गयी. भाभी की साड़ी उठाकर चोदने का आनन्द इस कहानी में लें. ...”

Story By: (arun22719)

Posted: Monday, December 27th, 2021

Categories: [जीजा साली की चुदाई](#)

Online version: [ननदोई ने सलहज की चुत चोदकर गर्भवती किया](#)

ननदोई ने सलहज की चुत चोदकर गर्भवती किया

साड़ी वाली भाभी की चुदाई कहानी एक ऐसी सलहज की है जो संतान सुख के लिए अपने ननदोई से चुद गयी. भाभी की साड़ी उठाकर चोदने का आनन्द इस कहानी में लें.

दोस्तो, मैं आपका अपना दोस्त अरुण एक बार फिर से आप सभी के सामने हाजिर हूँ.

मेरी पिछली कहानी थी :

एक कुंवारा, एक कुंवारी और चुदाई का मजा

मैं आज पुनः एक नई सेक्स कहानी लेकर हाजिर हूँ. ये बिल्कुल सत्य घटना पर आधारित साड़ी वाली भाभी की चुदाई कहानी है.

मुझे आशा है कि मेरी बाकी कहानियों की तरह इस सेक्स कहानी को भी अपने कच्छे में हाथ डालकर लंड को पकड़ कर ही पढ़ेंगे और लड़कियां, भाभियां भी अपनी सलवार, लैंगी या पैंटी में हाथ डाल कर गर्म चुत को ठंडा करेंगी.

ये सेक्स कहानी एक ननद के पति यानि ननदोई और साले की बीवी यानि सलहज के बीच हुई चुदाई की घटना पर आधारित है.

अमर एक ऐसा ही ननदोई था जिसकी शादी को अभी 5 साल ही हुए थे.

दूसरी तरफ सलहज का नाम पिकी था. उसकी शादी को 6 साल हो चुके थे.

पिकी की शादी के इतने वर्ष बीत जाने के बाद अभी भी उसकी कोख हरी नहीं हुई थी. उसके

अभी तक कोई बच्चा नहीं था.

जबकि अमर की बीवी को एक लड़की हो चुकी थी और जल्दी ही एक और बेबी होने को था.

ये बात तब की है जब पिकी अपनी ननद के घर उसकी पहली सन्तान के होने पर आई थी. पिकी की ननद ने अपनी भाभी को अपनी देखभाल के लिए बुला लिया था ताकि वो अमर का और उसके परिवार के लिए ध्यान रख सके.

वैसे मैं एक बात आपको बताना भूल ही गया कि अमर की पिकी के साथ बहुत अच्छी बनती थी.

अमर की पिकी के साथ खुली खुली बातें तो नहीं होती थीं मगर डबल मीनिंग बातों में कुछ ना कुछ बात तो हो ही जाती थी.

अभी पिकी को अमर अपने घर बाइक पर बिठा कर ले आया था.

उसने सारे रास्ते अपनी बाइक को ब्रेक मार मार कर पिकी को अपनी पीठ से चिपकाने का कोई मौक़ा नहीं छोड़ा था.

शायद पिकी भी इस बात को भांप चुकी थी. लेकिन उसने अपने जीजा से कुछ नहीं कहा.

बाइक पर जो भी हुआ, अमर उस बात को लेकर सलहज की तरफ से हरी झंडी समझने लगा था.

ननद के घर पहुंचने के बाद पिकी ने अमर के लिए, हॉस्पिटल में ले जाने के लिए अमर की मां और अपनी ननद के लिए खाना बनाया.

पिकी अमर को खाना देने उसके कमरे में आई तो अमर ने पिकी के हाथ से खाने की थाली लेते हुए ही हरकत कर दी.

वो अपनी सलहज पिकी का हाथ पकड़ने लगा था.

पिंकी ने एक बार अमर को थोड़ा घूर कर देखा, लेकिन कुछ कहा नहीं.

अमर इसको और भी सहमति समझ चुका था इसलिए अमर का मूड बन गया और अगली बार जैसे ही पिंकी खाने के बाद अमर को पानी देने के लिए आई तो अमर ने पिंकी के दोनों हाथ पकड़ लिए और पिंकी को अपनी तरफ खींचने लगा.

पिंकी अपने आपको छुड़ाने लगी.

ऐसा विरोध देख कर अमर ने भी पिंकी को छोड़ दिया और जाने दिया.

पिंकी जाते हुए दरवाजे पर कुछ देर रुकी और अमर को देख कर मुस्कुरा कर अपनी साड़ी का पल्लू मुंह पर रख कर चली गई.

अमर समझ चुका था कि रास्ता एकदम साफ़ है, बस एक मौका मिलने का इंतजार करना बाकी है.

वो मौका देखने लगा.

फिर दो दिन बाद वो मौका भी आ ही गया.

उस दिन घर पर पिंकी और अमर के अलावा घर में कोई नहीं था.

अमर की मम्मी अस्पताल में रुकने के लिए गई हुई थीं और पापा शहर से बाहर गए हुए थे.

पिंकी रसोई में जूटे बर्तन साफ़ कर रही थी.

उसी समय अमर ने अन्दर आकर पिंकी को पीछे से पकड़ लिया और उससे लिपट गया.

पिंकी बहुत धीरे से बोली- क्या कर रहे हो जीजा जी!

पिंकी की धीमी आवाज़ किसी डर की वजह से नहीं, बल्कि पिंकी का बहुत मन था कि अमर

उसको छेड़े, उसके बदन से खेले, इस वजह से वो सिसिया रही थी.

इस मदहोश आवाज को अमर ने समझ लिया और नारी सुलभ लज्जा को मसलते हुए वो ब्लाउज के ऊपर से ही पिकी की चूचियां दबाने लगा.

फिर अमर ने पिकी अपनी तरफ करते हुए उसे अपने सीने से लगा लिया.

पिकी भी अमर से ऐसे लिपट गई जैसे कोई सांप किसी पेड़ के तने पर लिपट जाता है.

अगले ही पल पिकी और अमर दोनों एक दूसरे को चूमने लगे थे.

अमर कभी पिकी के गालों पर, कभी नाक, कभी माथे पर तो कभी गर्दन पर किस करने लगा था.

अचानक से पिकी को कुछ हुआ ; उसने अपने आप को अमर से छुड़ाया और उससे दूर हो गई.

पिकी अपनी गर्दन नीचे करके अपनी सांसों पर काबू पाने लगी.

अमर को लगा कि शायद पिकी अभी भी तैयार नहीं है.

इस पर अमर एक कदम पीछे रखते हुए पिकी को सॉरी बोलने लगा.

वो वापस जाने के लिए मुड़ ही रहा था कि तभी पिकी अचानक से आगे आई और उसने अमर का हाथ पकड़कर उसे अपनी तरफ घुमा लिया.

अभी अमर कुछ समझ पाता कि पिकी ने अमर के होंठों पर अपने होंठ रख दिए.

वो एक भूखी बिल्ली की तरह अमर के होंठों को ऐसे चूमने चूसने लगी जैसे दूध पीने के लिए बिल्ली मलाई चाटती है.

इस पर अमर भी उसका साथ ठीक उसी तरह से देने लगा, जैसे पिकी उसको चूस रही थी.

इस बीच पिकी ने अपना एक हाथ सीधा अमर के लंड पर रख दिया और उसके लंड को कपड़ों के ऊपर से ही पकड़ कर ऊपर-नीचे करने लगी.

वो दोनों अपने प्रणय में डूबते चले गए और इसी दौरान पिकी की आंखों से आंसू आने लगे.

पिकी की आंखों में आंसुओं को देखते ही अमर ने पिकी से पूछा- क्या क्या हुआ पिकी भाभी ?

इस पर पिकी अमर को गले लगाते हुए और रोते हुए बोलने लगी- जीजा जी मुझे भी बच्चे चाहिए, मैं बिना बच्चे के नहीं रह सकती हूँ. प्लीज़ मुझे मां बना दो !

अमर ने पिकी का मुँह अपनी तरफ उठाया और उसके आंसू पौछते हुए पिकी को मां बनाने का वायदा कर दिया.

अब वे दोनों एक दूसरे के होंठों को फिर से चूसने चूमने लगे ; दोनों ही अपनी अपनी लाज शर्म खो चुके थे.

फिर सबसे पहले पिकी ने धीरे धीरे अमर की टी-शर्ट को निकाला और वो अमर की छाती को चूमने लगी.

अमर की छाती की दोनों घुंडियों को चूसते हुए ही उसने अमर के लोवर को भी नीचे कर दिया.

अमर का लंड उसकी अंडरवियर में फूला हुआ था.

पिकी ने अमर के अंडरवियर के साइड से उसके लंड को बाहर निकाला और ज़ोर ज़ोर से हिलाने लगी.

अमर ने भी पिकी भाभी की साड़ी उतार कर उसके जिस्म से अलग कर दी और पिकी के

ब्लाउज के ऊपर से साफ़ नुमाया ही रही उसकी चुचियों को ऊपर से ही चूसने लगा.

साथ ही अमर ने हाथ नीचे किया और पिकी के पेटीकोट के नाड़े को खींच दिया.

पेटीकोट रहम की भीख मांगता हुआ नीचे गिर गया.

अब अमर सिर्फ़ अंडरवियर में था और पिकी ब्लाउज और ब्रा में थी. उसने नीचे पैटी नहीं पहनी थी.

अमर ने पिकी को चूमते हुए पूछा- पिकी तुम पैटी नहीं पहनती हो क्या ?

पिकी ने कहा- जीजू, मुझे पता था कि हम दोनों को आज मौका मिलेगा ... इसलिए आज मैंने पैटी पहनी ही नहीं.

पिकी के मुँह से इस बात को सुनकर अमर बहुत खुश हो गया और उसने जल्दी ही पिकी के ब्लाउज और ब्रा को भी खोल कर उसके शरीर से निकाल कर दूर फैंक दिया.

पूरी नंगी होते ही पिकी के 36 इंच के मस्त चूचे हवा में लहराने लगे.

अमर झट से पिकी के दोनों चूचों को अपने हाथ में लेकर मसलने लगा.

वो एक चूची के निप्पल को अपने होंठों में भर कर चूसने लगा.

इस पर पिकी ने अपनी आंखें बंद कर लीं और वो अमर की गर्दन को अपनी चुचियों पर दबाने लगी.

पिकी की आंखें वासना के मारे बिल्कुल लाल हो चली थीं.

उन दोनों में सेक्स का खुला खेल होने लगा.

कुछ ही समय में पिकी एकदम से हॉट हो गई.

उसने अमर को दूर कर दिया.

अमर अपनी वासना से भरी नजरों से पिकी की नंगी जवानी को निहारने लगा.

पिकी ने एक बार फिर अमर को खींचा और उसके गालों व होंठों पर किस कर दिया.

इसके बाद पिकी अपने घुटनों के बल पर बैठ गई और उसने अमर के अंडरवियर को नीचे कर दिया.

अंडरवियर की कैद से मुक्त होते ही उसका लंड फनफनाता हुआ बाहर निकल आया.

इससे पहले कि लंड को कुछ सूझता, तब तक पिकी भाभी ने लंड को अपने हाथ से पकड़ा और उसे चूसना शुरू कर दिया.

दो मिनट तक पिकी भाभी ने लंड को पूरी शिद्दत से चूसा.

इससे अमर का लंड अब कोई नॉर्मल लंड नहीं रह गया था बल्कि वो एक मोटे और कड़क लोहे की रॉड के जैसे बन गया था.

अमर भी अब पिकी की गर्दन को पकड़कर आगे पीछे करने लगा और अपनी आंखें बंद किए हुए इस पल को मस्ती से जीने लगा.

पिकी और अमर दोनों ही अब तक बहुत गर्म हो गए थे.

पिकी ने अमर के लंड को छोड़ा और बोली- जीजू, अब रहा नहीं जाता, जल्दी से अपनी इस लोहे की रॉड को मेरी गर्म भट्टी में डाल दो.

अमर ने पिकी को गोद में उठाया और बेड पर ले जाकर पेट के बल उल्टा लिटा दिया.

फिर वो पिकी की टांगों को चौड़ा करते हुए उसकी चूचियों की तरफ चढ़ने लगा.

पिकी कामुकता की अतिरेकता में अपनी आंखें बंद किए हुए अपनी गर्दन को अपनी सांसों के साथ ऊपर नीचे करने लगी.

अमर पूरी तरह से पिकी के ऊपर चढ़ गया और अपने लंड को अपने हाथ से पकड़ कर उसने पिकी की चुत में सैट कर दिया.

उधर नीचे से पिकी भाभी ने अपनी चुत पर लंड का स्पर्श महसूस किया तो उसने अपनी टांगों को खोल कर लंड को रास्ता दे दिया.

उसी पल अमर ने एक ही झटके में पिकी भाभी की चुत में लंड जड़ तक ठांस दिया.

चिकनी चुत में अमर का मोटा लंड फाकों को चीरता हुआ घुसा तो पिकी भाभी की एक तेज चीख निकल पड़ी.

अमर ने उस चीख को नजरअंदाज करते हुए धीरे धीरे झटके देने शुरू कर दिए.

कुछ पलों बाद अमर पिकी से पूछने लगा- पिकी भाभी, तुम तो शादीशुदा हो और खूब चुदी भी हो, तो मेरे लंड डालने पर तुम्हारी चीख क्यों निकल गई ?

इस पर पिकी झटकों का जवाब देती हुई बोली- जीजा जी, आज पहली बार किसी मर्द ने एक शॉट में ही अपना लंड मेरी चुत में अन्दर तक पेला है, चीख तो निकलेगी ही ... आह आप बस चोदने में ध्यान दो ... आह बहुत मजा आ रहा है जीजू ... आह पेलो और अन्दर तक पेलो ... आह मुझे ठंडी कर दो.

पिकी भाभी के मुँह से इतना सुनते ही अमर ने अपने झटके तेज कर दिए.

अब पिकी भाभी और भी खुल कर अपनी मादक आवाजों और कामुक सिसकारियों को भर रही थी- आह एयेए अहाआ जीजू बहुत मजाअ आ रहाआ है ... औररर तेज करो आह और तेज !

अमर ने धक्कों की स्पीड फुल कर दी.

इससे पिकी भाभी ने 'आयह अहा आहाहाहा ...' करती हुई बेड की चादर को अपनी मुट्ठी

में भर लिया और अपनी आंखें बंद करके चुदाई का मजा लेने लगी.

अमर को चुत चोदते हुए दस मिनट हो गए थे, उसने पिकी को सीधा होने के लिए कहा.

सीधा होते ही अमर फिर से भाभी के ऊपर आ गया और फिर से एक ही झटके में पूरा लंड चुत के अन्दर कर दिया.

इस बार पिकी चीखी नहीं बल्कि मस्ती में आहें भरती रही.

अमर फिर से पुरजोर तरीके से पिकी को चोदने लगा था.

पिकी- आआआहा अमर जीजू, आपका लौड़ा तो बहुत सख्त है ... मेरी चुत का भोसड़ा बना दिया है आपने अहह ... अच्छे से पेलो मेरी चुत को.

अमर अपनी स्पीड में तो था ही ... उसने कुछ और तेज झटके दिए तो पिकी झड़ने लगी. उसने झड़ते ही अमर की कमर को अपने नाखूनों से नौच लिया और अमर की टांगों से अपनी टांगें लपेट ली.

वो कराहती हुई बोली- आह जीजू मेरा हो गया ... आह मैं कट गई ... आह अब आप भी जल्दी से मेरी चुत में ही झड़ जाओ और मुझे मां बना दो.

अमर झटके पर झटके दिए जा रहा था और साथ वो पसीने में भी नहा चुका था.

पिकी अब तक दो बार झड़ चुकी थी. अमर आधे मिनट के लिए रुका और फिर से झटके लगाने लगा.

पिकी फिर से गर्मा गई थी और वो अपनी मदभरी आवाजों के अलावा और कोई आवाज ही नहीं निकाल रही थी- आहहा अहहाहा आआह चोदो ... जीजू ज़ोर से चोद दो !

उन दोनों की चुदाई को 35 मिनट हो चुके थे, अब अमर झड़ने को आ गया था.
उसने नॉनस्टॉप 25-30 झटके बिना रुके लगाए और पिकी के साथ झड़ गया.

अमर पिकी की चुत में झड़ गया था.

झड़ते समय अमर की खुद भी 'आआह ...' भरी तेज चीख निकली.

उसने पिकी भाभी की चुत में 7-8 पिचकारियां छोड़ दीं और पिकी के ऊपर ही ढेर हो गया.

पिकी बहुत खुश थी.

वो अमर के माथे के पसीने को पौछते हुए अमर के सर पर हाथ फेरने लगी.

पिकी बोली- जीजू, आप तो सच में ही लम्बी चुदाई करते हो.

अमर ने पूछा- मतलब ?

पिकी बोली- दीदी ने मुझे बताती थीं कि आप उनको काफी देर देर तक चोदते हो. पर मुझे ये बात मजाक लगती थी. पर आज जब मैं खुद चुदी, तो पता लगा कि दीदी झूठ नहीं, बल्कि सच कहती थीं.

अमर ने कहा- भाभी तुम्हारा हब्बी तुमको कितनी देर तक चोदता है ?

पिकी- वो तो बस 3-4 मिनट में ही ढेर हो जाता है और वो भी स्लो स्पीड में. जब तक मेरी चुत में आग लगती है, तब तक तो उसकी पाँवर ऑफ हो जाती है. लेकिन जीजू आपकी स्पीड भी मस्त थी यार ... मेरी चुत का तो एक बार में ही भोसड़ा बन गया.

इस चुदाई के बाद उस रात पिकी ने अमर के लंड से दो बार और चुदवाया.

फिर पिकी एक हफ्ते यानि सात दिन तक अमर के घर पर ही रुकी और उन दोनों ने इन दिनों में जम कर चुदाई की.

पिंकी भाभी भी अब एक बेटा की मां बन गई है जो कि अमर की चुदाई से ही हुई है.

आज भी वो दोनों एक साथ होने या मौका मिलने पर खुल कर चुदाई या कई बार तो साड़ी ऊपर उठा कर फटाफट वाली चुदाई कर लेते हैं. ऐसे मौकों पर पिंकी साड़ी के नीचे पेंटी नहीं पहनती ताकि चुदाई में आसानी रहे.

तो दोस्तो, कुछ ऐसी थी जीजा और सलहज की चुदाई की कहानी.

आप सबको कैसी लगी यह साड़ी वाली भाभी की चुदाई कहानी ?

मुझे जरूर बताइएगा. आप अपनी प्रतिक्रिया मुझे मेल के द्वारा लिख सकते हैं.

धन्यवाद.

arun22719@gmail.com

Other stories you may be interested in

सामने रहने वाली लड़की को पटाकर चोदा

देसी सेक्सी गर्ल चुदाई कहानी मेरे घर के सामने आयी एक लड़की से दोस्ती करके उसके साथ सेक्स की है. वो लड़की मस्त मौला किस्म की थी. मेरा नाम रोहन राय है. मैं कॉलेज के तीसरे वर्ष में हूँ. मैं [...]

[Full Story >>>](#)

अकेली औरत की कामवासना का समाधान

ओल्ड आंटी सेक्स कहानी में पढ़ें कि एक बार बड़ी उम्र की आंटी ने मुझे मालिश के लिए बुलाया. वे एकदम अकेली रहती थी तो मैं उनसे सम्पर्क में रहने लगा. मित्रो, मैं आपका अर्जुन फिर से आपके लिए एक [...]

[Full Story >>>](#)

सेक्स की भूखी भाभी की सेक्सी चूत चोदी

भोजपुरी भाभी की चुदाई का मजा लिया मैंने ... घर के बगल में रहने वाली भाभी को ब्लू फिल्म दिखाकर पटाया और उसे सेक्स के लिए राजी किया. दोस्तो, मैं प्रवीण प्रजापति बिहार के एक छोटे से गांव से हूँ. [...]

[Full Story >>>](#)

मैं अपने प्रेमी से ऑफिस में चुद गई

मेरी चुदाई Xxx कहानी मेरे ऑफिस के दोस्त के साथ मेरे पहले सेक्स की है. एक बार मैं और वो बारिश में ऑफिस पहुंचे तो और कोई नहीं आया था. यह कहानी सुनें. दोस्तो, ये सेक्स कहानी मेरी एक दोस्त [...]

[Full Story >>>](#)

सविता भाभी कार्टून वीडियो : इंटरव्यू- 2

सविता भाभी की सहेली ने भाभी को उनके जॉब के इंटरव्यू लेने वाले अपने बाँस से मिलवाया। सविता भाभी पहले से ही जानती थी कि अच्छी जॉब पाने के लिए सिर्फ योग्यता काफी नहीं ... इसलिए सविता अपने नए बाँस [...]

[Full Story >>>](#)

